बाँसुरी बजाए आज रंग से मुरारी

बाँसुरी बजाए आज रंग से मुरारी

शिव समाधि भूल गये, ऋषि मुनि की नारी ।
वेद पढ़त ब्रह्मा भूले, भूले ब्रम्हचारी ॥
बाँसुरी बजाए आज...

रंभा सम ताल चूकी, भूली नृत्यकारी ।
हो जमुना जल उलटी गयो, शोभा आज भारी ॥
बाँसुरी बजाए आज...

वृंदावन बंसी बाजी, तीन लोक प्यारी ।
ग्वाल बाल मगन भए, ब्रज की सब नारी ॥
बाँसुरी बजाए आज...

सुंदर श्याम मोहिनी मूरत, नटवर वपु धारी ।
सुर को प्रभु मदन मोहन, चरणन बलिहारी ॥
बाँसुरी बजाए आज...

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1783/title/baansuri-bajaye-aaj-rang-se-murari

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |